23 मार्च 2026
सोमवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बिहार दिवस पर नगर भवन में सजी संस्कृति की छटा उन्नत बिहार-उज्ज्वल बिहार का लिया संकल्प

2

एक नजर

असम में कांग्रेस ने छह दलों के साथ किया गठबंधन

नई दिल्ली। असम में विधानसभा चुनाव अभियान के बीच पाला बदल से अब तक हलकान रही कांग्रेस को राज्य में गठबंधन को स्वरूप देने में मिली कामयाबी ने चुनाव में मुकाबले की नई उम्मीद दी है।राज्य के उपरी से लेकर पहाड़ी क्षेत्र में आधार रखने वाली छोटी-छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन की इस पहल के साथ ही कांग्रेस ने असम की सत्ताधारी भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के लिए चुनौती बढ़ा दी है।रायजोर दल तथा असम जातीय परिषद समेत छह दलों के इस गठबंधन के सहारे कांग्रेस अब खास तौर पर उपरी असम की अधिकांश विधानसभा सीटों पर भाजपा की चुनावी रफ्तार को थाम लेने की उम्मीद कर रही है। असम में कांग्रेस की अगुवाई में बने नए चुनावी गठबंधन में सामाजिक कार्यकर्ता अखिल गोगोई के रायजोर दल और लुरिन गोगोई की पार्टी एजेपी के अलावा, आल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस, माकपा और सीपीआई(एमएल) शामिल हैं।

दिल्ली-यूपी-बिहार से राजस्थान तक जमकर बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में गरज-चमक के साथ बारिश, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की संभावना जताते हुए व्यापक अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ और कई चक्रवाती सिस्टम के प्रभाव से मौसम में यह बड़ा बदलाव आया है, जिससे पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, मध्य और कुछ दक्षिणी राज्यों में असामान्य मौसमी गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में व्यापक बारिश होने की संभावना है, साथ ही गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 24 मार्च के आसपास अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने इन इलाकों में थंडरस्टॉर्म और लाइटनिंग की चेतावनी दी है, जो अगले 5 दिनों तक जारी रह सकती है।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच भारत में अमेरिका से एलपीजी और रूस से ऑयल टैंकर पहुंचा

- जब स्ट्रेट ऑफ हार्मुज से गुजरना काफी कठिन हो गया
- जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ थे

एजेंसी। नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। अमेरिका से एलपीजी और रूस से कच्चा तेल लदा जहाज सुरक्षित रूपसे भारत पहुंच गया है। यह भारत के ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम है, खासकर उस समय जब स्ट्रेट ऑफ हार्मुज से गुजरना काफी कठिन हो गया है। अमेरिका से एलपीजी लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पर पहुंचा. अधिकारियों ने बताया कि पिक्सिस पायनियर नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ था और इसमें कुल 16,714 टन एलपीजी लदा हुआ है. श्चिम एशिया में पिछले 23 दिनों से जारी संघर्ष का बड़ा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर देखने को मिल रहा है। इसी बढ़ते संकट के बीच अमेरिकी एलपीजी कार्गो जहाज पिक्सिस पायनियर रविवार को न्यू मंगलूरू पोर्ट पर पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि जहाज ने 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नेदरलैंड से यात्रा शुरू की थी और इसमें 16714 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स में उतारा जाएगा। बता दें कि यह जहाज उस रूसी जहाज एक्वा टाइटन के ठीक एक दिन बाद पहुंचा, जो पहले चीन जा रहा था लेकिन कुछ दिन पहले भारत की तरफ मोड़ दिया गया। इसमें 7.7 लाख बैरल क्रूड ऑयल था, जिसे ऑफशोर पाइपलाइन के जरिए मंगलूरू रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) तक पहुंचाया जा रहा है। यह पाइपलाइन तट से 12 नॉटिकल मील दूर स्थित जेट्टी से जुड़ी है।

होर्मुज के रास्ते कई भारतीय जहाज सुरक्षित पहुंचे

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच भारत के कुछ जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते देश पहुंचने में कामयाब रहे है। 16 मार्च को शिवालिक नाम का जहाज 46,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पहुंचा था। इसके एक दिन बाद 17 मार्च को नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर भारत पहुंचा। फिर 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर के साथ जग लाडकी गुजरात में अडाणी पोर्ट्स पर आया।

जहाज भारत की ओर मोड़ा गया

रूस से आए जहाज एक्वा टाइटन को पहले चीन की ओर भेजा गया था, लेकिन हाल ही में इसे भारत की ओर मोड़ दिया गया। इस जहाज में करीब 7.7 लाख बैरल कच्चा तेल लदा हुआ है। इसे समुद्र में बनी पाइपलाइन के जरिए मंगलुरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड तक पहुंचाया जा रहा है।

पीएम मादी ने की पश्चिम एशिया के हालात पर हाई लेवल मीटिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार को अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के कारण पश्चिम एशिया में बने संघर्ष के हालात पर कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीएसएस) की बैठक हुई। 3.30 घंटे चली बैठक में पीएम मोदी ने साफ कहा है कि लोगों को कम से कम परेशानी हो। जमाखोरी और कालाबाजारी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसको लेकर राज्यों के साथ मिलकर काम किया जाए। पीएम मोदी ने मंत्रियों और अधिकारियों की टीम बनाकर कोऑर्डिनेशन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सभी सेक्टर्स को स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम करने को कहा गया है। सरकार ने साफ किया कि हालात पर नजर रखी जा रही है और देश में किसी भी जरूरी चीज की कमी नहीं होने दी जाएगी।बैठक में कृषि, उर्वरक, खाद्य सुरक्षा, पेट्रोलियम, बिजली, एमएसएमई, व्यापार, शिपिंग और सप्लाई चेन जैसे सेक्टर्स पर असर और उससे निपटने के उपायों पर बात हुई। मीटिंग में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई मंत्री शामिल हुए।

पुणे में महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित निसर्गोपचार आश्रम के 81वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित

विकसित भारत' के लिए 'स्वस्थ भारत' होना जरूरी: उपराष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को पुणे में एक सभा को संबोधित करते हुए रहा कि ह्यविकसित भारतह्ल की परिकल्पना में ह्यस्वस्थ भारतह्ल भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से संतुलित पोषण लेने, नियमित शारीरिक गतिविधियां करने और प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। पुणे में महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित निसर्गोपचार आश्रम के 81वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य केवल बीमारी से मुक्त होना नहीं है, बल्कि पूर्ण शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण की स्थिति है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना में ह्यस्वस्थ भारतह्ल भी शामिल होना चाहिए, जिसमें निसर्गोपचार आश्रम जैसे संस्थान इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लोगों को संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधि, मानसिक स्वास्थ्य और प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आश्रम की परिकल्पना करने वाले महात्मा गांधी और इस नेक कार्य के लिए भूमि दान करने वाले किसान के प्रति राष्ट्र कृतज्ञ है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने आगे कहा कि गांधीजी प्रकृति को सबसे बड़ा उपचारक मानते थे और इस बात पर जोर देते थे कि सच्चा स्वास्थ्य सादगी, अनुशासन और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहने में निहित है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने आश्रम के प्रबंध न्यासी डॉ. नारायण हेगड़े द्वारा लिखित पुस्तक ह्यसीक्रेट्स ऑफ आवर हैप्पीनेसह्ल का विमोचन भी किया। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। पुणे में महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित निसर्गोपचार आश्रम के 81वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, राधाकृष्णन ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य केवल बीमारी से मुक्त होना नहीं है, बल्कि पूर्ण शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण की स्थिति है।

महात्मा गांधी का नेक कार्य

उपराष्ट्रपति ने कहा, विकसित भारत की परिकल्पना में स्वस्थ भारत भी शामिल होना चाहिए, जिसमें निसर्गोपचार आश्रम जैसे संस्थान इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लोगों को संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधि, मानसिक स्वास्थ्य और प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आश्रम की परिकल्पना करने वाले महात्मा गांधी और इस नेक कार्य के लिए भूमि दान करने वाले किसान के प्रति राष्ट्र कृतज्ञ है। राधाकृष्णन ने कहा, गांधीजी प्रकृति को सबसे बड़ा उपचारक मानते थे और इस बात पर जोर देते थे कि सच्चा स्वास्थ्य सादगी, अनुशासन और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहने में निहित है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने आश्रम के प्रबंध न्यासी डॉ. नारायण हेगड़े द्वारा लिखित पुस्तक सीक्रेट्स ऑफ आवर हैप्पीनेस का विमोचन भी किया। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे

बजट में दिखेगा दिल्ली की समस्याओं का समाधान

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली का बजट सत्र सोमवार 23 मार्च से शुरू हो रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले बजट सत्र में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 24 मार्च को बजट 2026-27 पेश करेंगी। 25 मार्च को बजट पर चर्चा होगी। बजट में दिल्ली के प्रदूषण से निपटने के ठोस उपाय सामने आ सकते हैं। ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार बड़ी घोषणा कर सकती है। बजट में दिल्ली में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को बढ़ावा देते हुए कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएं की जा सकती हैं। रेखा गुप्ता सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजधानी के प्रदूषण में कमी लाना है। माना जा रहा है कि सरकार इसके लिए बजट में अहम घोषणाएं कर सकती है। दिल्ली में इसी साल

के अंत तक ई बसों की संख्या को बढ़ाकर 11 हजार से अधिक करने की योजना है। बजट में इसके लिए बजट आवंटित किया जा सकता है। राजधानी में ठोस प्रदूषण के निपटान की व्यवस्था के लिए सरकार की प्राथमिकता दिखती रही है। बजट में गाजीपुर-भलस्वा के कूड़े के पहाड़ों को समाप्त करने और नए कूड़े के निपटान के लिए नई तकनीक लाने की घोषणा की जा सकती है। दिल्ली की भाजपा सरकार ने आम आदमी पार्टी की योजना मोहल्ला क्लीनिकों को समाप्त कर इसके स्थान पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की योजना को आगे बढ़ाया है। बजट में नए आयुष्मान मंदिरों को खोलने और इसका विस्तार करने के लिए बजट आवंटित किया जा सकता है। इसी तरह सीएम श्री स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए उपायों की घोषणा की जा सकती है।

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच एअर इंडिया ने रद की 2500 उड़ानें

एजेंसी। नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच एअर इंडिया का परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एयरलाइन के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने बताया कि मिडिल ईस्ट में शुरू हुए जंग के दौरान एअर इंडिया को अब तक 2,500 से अधिक उड़ानें रद करनी पड़ी हैं। जिसके कारण एयरलाइन इस रूट पर अपनी क्षमता के केवल 30% हिस्से पर ही काम कर पा रही है।मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच हवाई क्षेत्र की पाबंदियों और सुरक्षा कारणों से न सिर्फ उड़ानें रद हुई हैं, बल्कि जेट ईंधन की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है। जो एयरलाइन की चुनौती को और अधिक बढ़ा दिया है। एअर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने बताया कि अमेरिका-इजरायल और ईरान में जारी तनाव से उत्पन्न हुए व्यवधान का असर इस क्षेत्र की वितीय स्थिति पर पड़ना शुरू हो गया है, जिसके चलते जेट ईंधन की कीमतें दोगुनी से भी अधिक हो गई हैं। विल्सन ने कहा, ब्रिटेन, यूरोप और उत्तरी अमेरिका जाने वाली अन्य उड़ानों को उन पहले से ही लंबे उड़ान मार्गों से और भी दूर ले जाया जा रहा है, जिनका उपयोग हम पिछले साल पहलगाम घटना के बाद से कर रहे हैं, जिससे अधिक ईंधन की खपत हो रही है और अधिक समय लग रहा है।

डीएम, एसपी समेत अधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया उद्घाटन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

बिहार दिवस पर नगर भवन में सजी संस्कृति की छटा

"उन्नत बिहार-उज्ज्वल बिहार" का लिया संकल्प

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार दिवस के अवसर पर रविवार को नगर भवन बक्सर में कला एवं संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में भव्य मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत जिलाधिकारी साहिला, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, उप विकास आयुक्त निहारिका छवि, अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह एवं कला एवं संस्कृति पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। उद्घाटन के साथ ही पूरा सभागार उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को बिहार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ह्लउन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहारह्व का लक्ष्य तभी संभव है जब समाज के सभी वर्ग मिलकर सकारात्मक सहभागिता और सहयोग का संकल्प लें। उन्होंने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन न केवल गौरव का प्रतीक है, बल्कि राज्य के विकास की संभावनाओं पर विचार और उसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का भी अवसर है।

उन्होंने कहा कि बिहार ने शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में देश को दिशा देने का कार्य किया है। आज जरूरत है कि हम अपनी इस विरासत को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हों। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने ह्लउन्नत बिहार और उज्ज्वल बिहारह्व के निर्माण का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम का सांस्कृतिक आगाज शुभम कुमार द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद मनीष कुमार पटेल ने ह्यबिहार गौरव गानह्व प्रस्तुत कर दर्शकों में गर्व की भावना जगाई। आइसा राज ने ह्यदेश रंगीला रंगीलाह्व गीत पर रंगारंग प्रस्तुति दी, जिसने तालियों की गूंज से सभागार को भर दिया।

इसी क्रम में हरिकेश रवानी ने ह्यबक्सर की महिमाह्व का भावपूर्ण गायन कर स्थानीय गौरव को जीवंत कर दिया, वहीं राहुल कुमार ने बिहार गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में ऊर्जा का संचार किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने बिहार दिवस के इस आयोजन को एक उत्सव के रूप में मनाते हुए राज्य की प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समारोह ने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक धरोहर और सामूहिक प्रयासों के बल पर बिहार विकास की नई कहानी लिखने के लिए तैयार है।

बिहार दिवस पर डुमरांव में प्रतिभाओं का उत्सव चित्रकला प्रतियोगिता से हुआ तीन दिवसीय कार्यक्रम का

- राज एलस टू उच्च विद्यालय में कला-संस्कृति की रंगीन छटा, वाद-विवाद, क्विज और कवि गोष्ठी से अगले दो दिन रहेंगे खास

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार दिवस के पावन अवसर पर डुमरांव प्रखंड स्थित राज प्लस टू उच्च विद्यालय के कला एवं सांस्कृतिक भवन में तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन एसडीएम राकेश कुमार एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधांशु कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर ह्लमेरे भारत के कंठहारह्व गीत की गूंज के बीच उपस्थित सभी लोगों ने खड़े होकर उन्नत और उज्ज्वल बिहार के निर्माण का संकल्प लिया।

विद्यालय परिसर में आयोजित इस आयोजन ने पहले ही दिन विद्यार्थियों की प्रतिभा और उत्साह का शानदार प्रदर्शन कर दिया। कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने संभाली, जिनके नेतृत्व में आयोजन सुव्यवस्थित और आकर्षक रूप से प्रारंभ हुआ।

तीन दिवसीय इस आयोजन की शुरूआत चित्रकला प्रतियोगिता से हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति का बेहतरीन प्रदर्शन किया। बच्चों ने बिहार की संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक मुद्दों और आधुनिक विकास जैसे विषयों को अपने चित्रों के माध्यम से जीवंत कर दिया, जिससे पूरा माहौल रंगों से सराबोर हो उठा।

आयोजकों के अनुसार, आगामी 23 मार्च को वाद-विवाद, क्विज प्रतियोगिता एवं कवि गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों को अपनी बौद्धिक क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा। साथ ही अंतिम दिन रंगोली, मूर्तिकला और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए समापन को यादगार बनाने की तैयारी है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पल्लवी यादव, डॉ. संतोष ओझा, शैलेंद्र पांडे, निर्भय कुमार यादव, नवीन तिवारी, उत्सव कुमार, पूणार्नंद मिश्र, प्रदीप कुमार, रवि प्रभात, मुक्तेश्वर यादव सहित अन्य शिक्षकों एवं सहयोगियों की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

बिहार दिवस के इस आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि उनमें राज्य के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की भावना भी जागृत की। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, अनुशासन और सांस्कृतिक समृद्धि की झलक साफ देखने को मिली।

एक नजर

दंगौली मंदिर चोरी कांड का खुलासा: गांव का ही युवक निकला मास्टरमाइंड, गिरोह के तार दूसरे थाना क्षेत्र से जुड़े

चौगाई। मुरार थाना क्षेत्र के दंगौली गांव स्थित हनुमान मंदिर में हुई चोरी की गुत्थी को पुलिस ने सुलझाते हुए चौंकाने वाला खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने गांव के ही एक युवक को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है, जिससे यह साफ हो गया कि वारदात में बाहरी नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर ही साजिश रची गई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिनेश यादव के पुत्र वीरेश यादव के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में उसने न केवल अपने अपराध को स्वीकार किया, बल्कि इस घटना में अन्य साथियों की संलिप्तता का भी खुलासा किया। आरोपी ने बताया कि कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव के चार अन्य युवक भी इस चोरी में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, इन चार में से तीन युवक पहले से ही ट्रांसफार्मर से तेल चोरी के एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। फरार युवक की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि 7 मार्च की रात चोरों ने मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया था। इसके बाद उन्होंने श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित सोने की आंख, पूजा के बर्तन, घंटे और नकदी पर हाथ साफ कर दिया था। इस घटना के बाद गांव में आक्रोश और असुरक्षा का माहौल बन गया था। पुलिस ने पुजारी के बयान पर मामला दर्ज कर तकनीकी और मानवीय दोनों स्तरों पर जांच शुरू की थी। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर चोरी गए बर्तन और नकदी बरामद कर ली गई है। इस खुलासे से जहां ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, वहीं मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

बक्सर में 24 मार्च को विशेष रोजगार शिविर, 200 युवाओं को मिलेगा मौका

बक्सर। जिला नियोजन पदाधिकारी बक्सर के निदेर्शानुसार आगामी 24 मार्च को जिला नियोजनालय द्वारा एक विशेष रोजगार शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई फील्ड स्थित जिला नियोजनालय परिसर में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित होगा। इस शिविर का उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इस रोजगार शिविर में एक निजी ऑटोमोबाइल कंपनी द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। कंपनी द्वारा मशीन संचालक के पद के लिए कुल 200 रिक्तियां निर्धारित की गई हैं। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 13 हजार रुपये वेतन प्रदान किया जाएगा। इन पदों के लिए आयु सीमा 18 से 30 वर्ष निर्धारित की गई है। शैक्षणिक योग्यता के रूप में अभ्यर्थी का 10वीं, 12वीं या आईटीआई (किसी भी ट्रेड) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। कार्यस्थल गुजरात राज्य में होगा तथा यह अवसर केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है।

नियोजनालय द्वारा बताया गया है कि चयन प्रक्रिया शिविर स्थल पर ही तत्काल आयोजित की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए नियोजनालय में पंजीकरण अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी अब तक पंजीकरण नहीं करा सके हैं, वे राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

रोजगार शिविर में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ अद्यतन जीवनवृत्त (बायोडाटा) एवं आधार कार्ड लाना आवश्यक होगा। शिविर में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तों के लिए संबंधित नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे, जबकि जिला नियोजनालय इस प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा।

प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने जिले के सभी योग्य एवं बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे इस रोजगार शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर उपलब्ध अवसर का लाभ उठाए।

ढकाइच गोलीकांड : मुख्य आरोपी पवन दुबे को रिमांड पर लेगी

होली के दिन युवक को मारी गई थी गोली, पहले एक आरोपी जा चुका है जेल

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

थाना क्षेत्र के ढकाइच गोलीकांड में पुलिस ने जांच तेज करते हुए मुख्य आरोपी पवन दुबे को रिमांड पर लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रविवार को कृष्णाब्रह्म थाना पुलिस कागजी कार्रवाई पूरी कर केंद्रीय कारा बक्सर पहुंची, जहां से आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाना लाया जाएगा।

गौरतलब है कि चार मार्च को होली के दिन बड़का गांव में उस समय सनसनी फैल गई थी, जब एक युवक को गोली मार दी गई थी। जख्मी युवक अपने पिता के लिए खाना लेकर घर लौट रहा था, तभी रास्ते में घात लगाए तीन आरोपियों ने उस पर फायरिंग कर दी। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना के बाद जख्मी युवक के पिता वीर बहादुर दुबे के बयान पर कृष्णाब्रह्म थाना में पवन दुबे सहित तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी योगेंद्र दुबे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि मुख्य आरोपी पवन दुबे ने बाद में कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था।

अब पुलिस इस मामले की तह तक पहुंचने के लिए पवन दुबे को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के दौरान घटना से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित साजिश का खुलासा होने की उम्मीद है।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि रिमांड के दौरान मिली जानकारी से पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी और फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी में भी मदद मिलेगी।

आंखों में नमी, दिलों में सम्मान, चक्की थाना से दो दरोगाओं की भावुक विदाई

केटी न्यूज/चक्की

चक्की थाना परिसर रविवार को एक अनोखे भावनात्मक माहौल का साक्षी बना, जब दो सब-इंस्पेक्टर मुकेश कुमार और शंभू शरण को विदाई दी गई। यह सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि पुलिस और जनता के बीच बने विश्वास और आत्मीयता के रिश्ते का जीवंत उदाहरण था। स्थानांतरण की खबर जैसे ही क्षेत्र में फैली, गांव-जवार के लोग स्वतः ही थाना परिसर पहुंचने लगे। देखते ही देखते माहौल भावुक हो गया। किसी ने फूलों से स्वागत किया, तो किसी ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मान जताया। लेकिन सबसे ज्यादा असर उन नम आंखों ने छोड़ा, जो इस बात की गवाही दे रही थीं कि ये दोनों अधिकारी सिर्फ कानून के रखवाले नहीं, बल्कि लोगों के अपने बन चुके थे। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मुकेश कुमार और शंभू शरण ने अपने कार्यकाल में ईमानदारी और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की। उन्होंने न केवल निष्पक्ष कार्रवाई की, बल्कि आम लोगों की समस्याओं को भी अपने परिवार की तरह समझा। यही कारण रहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत हुई और लोगों का भरोसा पुलिस पर और गहरा हुआ। मुखिया प्रतिनिधि गुंजन कुमार और पूर्व मुखिया अजीत सिंह समेत कई गणमान्य लोगों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विदाई के क्षण में खुद दोनों अधिकारियों की आवाज भी भर्रा गई। उन्होंने कहा कि चक्की की मिट्टी, यहां के लोगों का स्नेह और सहयोग उनके जीवन की अमूल्य पूंजी रहेगा। तालियों की गूंज के बीच समारोह समाप्त हुआ, लेकिन यह विदाई लंबे समय तक लोगों के दिलों में एक भावुक याद बनकर जिंदा रहेगी।

कृषि यंत्रीकरण मेले में उमड़ा किसानों का उत्साह, 80 प्रतिशत तक अनुदान पर मिल रहे आधुनिक उपकरण

केटी न्यूज/बक्सर

संयुक्त कृषि भवन, बक्सर के प्रांगण में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित दो दिवसीय कृषि यंत्रीकरण मेले का उद्घाटन उप विकास निहारिका छवि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मेले के पहले ही दिन किसानों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उद्घाटन अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, कृषि अभियंत्रण उप निदेशक, सहायक निदेशक, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सहित कृषि विभाग के सभी अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों, कृषि समन्वयकों एवं किसान सलाहकारों ने भी भाग लेकर किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग, उनके लाभ और सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली सब्सिडी की विस्तृत

जानकारी दी। मेले में राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत 40 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे बड़ी संख्या में किसान खरीदारी के लिए पहुंचे। प्रमुख रूप से धान मड़ाई मशीन, जुताई यंत्र, शक्ति चालित निराई यंत्र, चारा काटने की मशीन, शक्ति चालित छिड़काव यंत्र, उच्च घनत्व पॉलीथीन पाइप, आटा चक्की तथा हस्तचालित कृषि किट की खरीदारी की गई। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 91 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जा रहा है। साथ ही अब तक 4 कस्टम हायरिंग सेंटर और 12 विशेष कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं। कृषि यंत्र बैंक की स्थापना की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है, जिससे छोटे और सीमांत किसानों को लाभ मिलेगा। उप निदेशक (कृषि अभियंत्रण) ने फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों को अपनाने पर बल देते हुए कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है। मेले के दूसरे और अंतिम दिन भी प्रदर्शनी एवं बिक्री जारी रहेगी। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसानों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू, श्रद्धा में डूबा डुमरांव

■ नहाय-खाय के साथ हुई शुरूआत, दिखी आस्था की झलक

केटी न्यूज/डुमरांव

आस्था, साधना और सूर्योपासना का महापर्व चैती छठ रविवार से पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हो गया। चार दिवसीय इस पावन अनुष्ठान की शुरूआत चैत्र शुक्ल चतुर्थी तिथि पर नहाय-खाय के साथ हुई। पहले दिन व्रतियों ने पवित्र जल में स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रसाद ग्रहण कर व्रत का संकल्प लिया। पूरे अनुमंडल क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। नहाय-खाय के दिन व्रती महिलाओं ने घरों की विशेष साफ-सफाई कर पूजा स्थल को पवित्र बनाया। इसके बाद अरवा चावल, सेंधा नमक से बनी चना दाल और लौकी की सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया। इस

दौरान घर-घर में छठ गीतों की गूंज सुनाई दी, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। अब सोमवार को खरना का व्रत रखा जाएगा, जिसमें व्रती दिनभर निर्जला उपवास रखकर शाम को गुड़-चावल की खीर और रोटी का प्रसाद बनाकर ग्रहण करेंगे। इसके बाद 24 मार्च को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा, जबकि 25 मार्च को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही यह महापर्व संपन्न होगा।

चैती छठ को लेकर शहर के प्रमुख छठ घाटों, खासकर छठिया पोखरा पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और बैरिकेडिंग का कार्य अंतिम चरण में है। हर वर्ष की तरह इस बार भी यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। अनुमंडल प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। घाटों पर पुलिस बल की तैनाती, गोताखोरों की व्यवस्था और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी चल रही है। साथ ही भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष रणनीति बनाई गई है, ताकि व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इधर, चैती छठ को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। फल मंडियों में नारियल की खेप पहुंच चुकी है, वहीं दुकानों पर सुपली, दउरा, सूप और अन्य पूजन सामग्री की बिक्री तेज हो गई है। जबकि व्रती परिवारों द्वारा भी इस माहपर्व की तैयारी युद्ध स्तर पर की जा रही है।

मरम्मत कार्य के बीच खतरानक स्पॉट की अनदेखी से मौत का गड्ढा बना स्टेशन रोड

■ सुमित्रा कॉलेज मोड़ पर बड़ा हादसा कभी भी संभव, आरसीसी सड़क के नीचे जलजमाव से खोखली हो चुकी जमीन, भारी वाहनों की आवाजाही से बढ़ता जा रहा है खतरा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर के बहुप्रतीक्षित स्टेशन रोड मरम्मत कार्य की शुरूआत तो हो गई है, लेकिन इसके साथ ही लापरवाही की तस्वीर भी साफ नजर आने लगी है। एक ओर जहां महरौरा मोड़ के पास मरम्मत कार्य जारी है, वहीं दूसरी ओर सुमित्रा कॉलेज मोड़ के समीप सड़क की भयावह स्थिति को नजरअंदाज किया जा रहा है। यह स्थान अब ह्यहादसों का हॉटस्पॉटह्ण बनता जा रहा है, जहां किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

मिली जानकारी के अनुसार, सुमित्रा कॉलेज मोड़ के पास पुरानी आरसीसी सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। कंक्रीट कई हिस्सों में बिखर गया है और सड़क के नीचे का आधार कमजोर होकर दलदली रूप ले चुका

है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि नालियों का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क के नीचे जमा हो गया है, जिससे सतह अंदर ही अंदर खोखली होती जा रही है।

जब भी इस रास्ते से कोई वाहन गुजरता है, खासकर भारी ट्रक, तो टूटे हुए कंक्रीट के नीचे से गंदा पानी बाहर निकलकर सड़क पर फैल जाता है। इससे न केवल सड़क और कमजोर हो रही है, बल्कि वाहन चालकों के लिए भी यह बेहद जोखिम भरा हो गया है। रात के समय स्थिति और भयावह हो जाती है, जब बालू लदे सैकड़ों ट्रक इसी मार्ग से गुजरते हैं। लगातार दबाव और जलजमाव के कारण सड़क की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि पिछले कई महीनों से बनी हुई है। इसके बावजूद मरम्मत कार्य कर रही एजेंसी इस खतरनाक स्पॉट की अनदेखी कर रही है। लोगों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते इस हिस्से की मरम्मत नहीं की गई, तो यहां बड़ा हादसा हो सकता है, जिसमें जान-माल का नुकसान भी संभव है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस स्थान की तत्काल मरम्मत कराई जाए और जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए। उनका कहना है कि जब तक नालियों के पानी की सही निकासी नहीं होगी, तब तक सड़क की मरम्मत भी टिकाऊ नहीं हो सकती।

गौरतलब है कि पहले नगर परिषद द्वारा स्टेशन रोड के किनारे नाली निर्माण की योजना बनाई गई थी, लेकिन एनएचएआई की स्वीकृति के अभाव में यह योजना अधर में लटक गई। अब जब जलजमाव की समस्या विकराल रूप ले चुकी है, तब इस मुद्दे पर त्वरित निर्णय लेने की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। मरम्मत कार्य के बीच इस तरह की लापरवाही न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग इस चेतावनी को समय रहते गंभीरता से लेते हैं या किसी बड़े हादसे के बाद ही जागते हैं।

एक नजर

जन्मदिन पर लिया हरियाली का संकल्प, पौधरोपण से दिया जल संरक्षण का संदेश

डुमरांव। ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर गांव में रविवार को एक जन्मदिन समारोह सामाजिक सरोकार और पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया। पर्यावरण कार्यकर्ता शैलेश ओझा ने अपने पुत्र के जन्मदिन को खास बनाने के लिए बिहार दिवस एवं विश्व जल दिवस के अवसर पर पौधरोपण अभियान आयोजित कर लोगों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर गांव के विभिन्न स्थानों पर आम, अशोक एवं ग्रीन सेमर सहित कई फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि इसमें बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। बच्चों को न केवल पौधरोपण में शामिल किया गया, बल्कि उन्हें पौधे वितरित कर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी सौंपी गई, ताकि बचपन से ही उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित हो सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शैलेश ओझा ने कहा कि 22 मार्च का दिन दोहरी जिम्मेदारी का एहसास कराता है। एक ओर जहां बिहार दिवस हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व करने की प्रेरणा देता है, वहीं विश्व जल दिवस हमें जल संरक्षण के महत्व को समझने और उसके प्रति संकल्प लेने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ह्यजल ही जीवन हैह्ण केवल एक नारा नहीं, बल्कि आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने बढ़ते जल संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि अभी से ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में पौधारोपण न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का प्रभावी उपाय है, बल्कि यह जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में शामिल अन्य पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने भी लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें जीवित रखना भी उतना ही जरूरी है। इस अभियान में विशाल सिंह, मु. राजू, मोहन कुमार, अनूप, अनुज और रौशन सहित कई युवाओं और बच्चों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर न सिर्फ पौधे लगाए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। गांव में आयोजित यह अनोखा जन्मदिन समारोह यह साबित करता है कि यदि व्यक्ति चाहे तो निजी खुशियों को भी सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाया जा सकता है।

पूर्व सैनिकों के लिए सिमरी बना नया केंद्र, संगठन विस्तार के साथ मिली मजबूत आवाज

डुमरांव। भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की समस्याओं को संगठित तरीके से उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमेंट (आईईएसएम) बक्सर ने सिमरी प्रखंड में अपने संगठन का विस्तार कर नई इकाई का गठन किया। रविवार को बड़का सिंहनपुरा गांव में आयोजित कार्यक्रम में नए कार्यालय का उद्घाटन किया गया, जिससे क्षेत्र के पूर्व सैनिकों को एक साझा मंच मिल गया है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों, वीरांगना परिवारों और सैनिक आश्रितों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाना तथा उनके त्वरित समाधान के लिए प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी पहल करना है। कार्यक्रम में सिमरी थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि जिला अध्यक्ष हरेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में संगठन को मजबूती देने पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष विद्यासागर चौबे ने किया। इस दौरान सर्वसम्मति से सिमरी प्रखंड इकाई का गठन किया गया, जिसमें सार्जेंट विनोद तिवारी को चेयरमैन, शशि भूषण ओझा को अध्यक्ष, हवलदार ब्रिजनाथ यादव एवं हवलदार संजय सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं नायक सूबेदार त्रिवेणी दुबे को सभापति, नायक महेंद्र प्रसाद को कोषाध्यक्ष और रामेश्वर प्रधान को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभा को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी ने कहा कि देश की सेवा कर चुके पूर्व सैनिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान और समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन पूरी तरह संवेदनशील है और हर स्तर पर सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी पूर्व सैनिक को परेशानी होने पर तत्काल मदद उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं जिला अध्यक्ष हरेंद्र तिवारी ने कहा कि संगठन का विस्तार ही उसकी ताकत है। सिमरी में इकाई बनने से अब स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान तेजी से हो सकेगा और जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना आसान होगा। उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

चॉकलेट का लालच देकर कर रहा था शोषण, आरोपी गिरफ्तार

केटी न्यूज। नावानगर

स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में चल रहे भवन निर्माण कार्य के दौरान नाबालिक किशोरी के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दिनारा थाना क्षेत्र के बीसी गांव निवासी मनोज कुमार राम को नामजद किया गया है, जो निर्माण स्थल पर ठेकेदार के मुंशी के रूप में कार्यरत था। इधर पीड़िता के मां के अनुसार आरोपी मनोज कुमार राम गांव में रहकर भवन निर्माण काम की देखरेख करता था। इसी दौरान उसने उनकी मासूम बच्ची को अपने झांसे में लेकर तथा उसे चॉकलेट की लालच लेकर गलत काम करता था। साथ ही नाबालिक को डराकर चुप रहने की धमकता रहा। डर और दबाव के कारण बच्ची लंबे समय तक यह बात घर वालों को नहीं बता सकी। काफी दिनों बाद बच्ची नहीं हिम्मत जताकर अपनी आप बीती परिजनों को बताई, तब परिजनों का होश उड़ गए।

गौ सम्मान जन-जागरण अभियान को मिली धार, 27 अप्रैल को गौ सम्मान दिवस बनाने का संकल्प

केटी न्यूज/बक्सर

गौ संरक्षण और सम्मान को लेकर चल रहे राष्ट्रव्यापी ह्यगौ सम्मान आह्वान अभियानह्ण को धार देने के उद्देश्य से शनिवार की देर शाम शहर स्थित आदर्श गौशाला परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संत समाज, गौभक्तों, सामाजिक कार्यकताओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को नई ऊर्जा प्रदान की।

बैठक की खास बात बनारस से पधारे पूज्य संत ओंकार दास जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके सान्निध्य में पूरे आयोजन का वातावरण आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत गौमाता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए की गई, जिसके बाद अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में सुप्रसिद्ध छात्र नेता

खुशबू पाठक ने नेतृत्वकारी भूमिका निभाते हुए अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ह्यगौ सम्मान आह्वान अभियानह्ण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक व्यापक जनचेतना आंदोलन है, जो देशभर के साधु-संतों के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि गौमाता को उचित सम्मान दिलाने, उनके संरक्षण के लिए सशक्त कानून बनाने और समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में यह अभियान निर्णायक साबित होगा।

खुशबू पाठक ने युवाओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जब तक युवा इस अभियान से नहीं जुड़ेंगे, तब तक इसे जनआंदोलन का स्वरूप नहीं मिल सकता। उन्होंने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों को इस मुहिम से जोड़ें और व्यापक जनसमर्थन तैयार करें।

बैठक में अभियान के प्रथम चरण की भी रूपरेखा तय की गई। इसके तहत आगामी 27 अप्रैल को पूरे देश में प्रत्येक अनुमंडल पदाधिकारी को कम से कम 11 हजार हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वक्ताओं ने इसे न्यूनतम लक्ष्य बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने पर जोर दिया।

ज्ञापन के माध्यम से गौभक्तों की प्रमुख मांगों को सरकार के समक्ष रखने की योजना है, जिसमें गौ संरक्षण के लिए कड़े कानून का निर्माण, अवैध कत्तलखानों पर पूर्ण प्रतिबंध, पशु तस्करी पर सख्त नियंत्रण तथा गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग शामिल है।

इस अवसर पर पूज्य ओंकार दास जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि जहां गौमाता का सम्मान होता है, वहां समृद्धि और शांति स्वतः स्थापित होती है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से इस अभियान को सेवा और संस्कार के रूप में अपनाने का आग्रह किया।

बैठक में पूनम चौबे, हरिशंकर गुप्ता, आदित्य चौधरी और रोहताश गोयल समेत अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। सभी ने एक स्वर में गौसंरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए प्रशासन से अवैध गतिविधियों पर सख्ती बरतने और गौसेवा कार्यों को प्रोत्साहन देने की मांग की।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर ह्यगौ सम्मान आह्वान अभियानह्ण को जन-जन तक पहुंचाने और 27 अप्रैल को प्रस्तावित ह्यगौ सम्मान दिवसह्ण को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। बैठक का समापन गौमाता के जयकारों और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ हुआ।

भक्ति और विश्वास का चमत्कारी धाम भईया–बहिनी मंदिर में हर मुराद होती है पूरी

■ चैत्र नवरात्र में उमड़ता जनसैलाब, लोककथा और आस्था ने बनाया इस स्थल को दिव्य पहचान

केटी न्यूज/चौसा

चौसा क्षेत्र में स्थित भईया-बहिनी मंदिर आज सिर्फ एक पूजा स्थल नहीं, बल्कि अटूट विश्वास, लोकआस्था और दिव्यता का अद्भुत संगम बन चुका है। जिला मुख्यालय से लगभग दस किलोमीटर पश्चिम, चौसा-बक्सर मार्ग पर स्थित यह मंदिर दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बन गया है। मान्यता है कि इस मंदिर में सच्चे मन से मांगी गई हर मन्नत अवश्य पूरी होती है। यही वजह है कि यहां सालभर श्रद्धालुओं

की आवाजाही बनी रहती है, लेकिन चैत्र नवरात्र के दौरान यहां का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो उठता है। इस वर्ष भी 24 और 25 मार्च को अखंड हरिकीर्तन और चैत कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना एक मार्मिक घटना से जुड़ी है, जिसने इसे आस्था का प्रतीक बना दिया। कहा जाता है कि अंग्रेजी शासन काल में एक भाई अपनी बहन को ससुराल छोड़ने जा रहा था। रास्ते में अपमानजनक परिस्थिति उत्पन्न होने पर दोनों ने अपनी मयार्दा और सम्मान की रक्षा के लिए जलसमाधि ले ली। बाद में ग्रामीणों ने उन्हें दिव्य स्वरूप मानकर इस स्थान को पूजा स्थल के रूप में स्थापित कर दिया।

मंदिर से जुड़ी एक और चमत्कारी कथा भी श्रद्धालुओं के बीच प्रचलित है। बताया जाता है कि जब इस मार्ग पर सड़क और पुल निर्माण का कार्य शुरू हुआ, तो बार-बार निर्माण ढह जाता था। कई प्रयासों के बाद एक दिव्य संकेत मिलने पर यहां मंदिर का निर्माण कराया गया और सड़क की दिशा बदली गई। इसके बाद निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के पूरा हो गया। इस घटना ने लोगों के विश्वास को और मजबूत कर दिया।

इतिहास और पौराणिक महत्व से समृद्ध चौसा की धरती, जहां कभी महान युद्ध और ऋषियों की तपोभूमि रही है, उसी पावन भूमि पर स्थित यह मंदिर आज श्रद्धा और चमत्कार का जीवंत उदाहरण बन गया है।

भईया-बहिनी मंदिर की यही विशेषता है कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु एक अलग अनुभव लेकर लौटता है, मन में शांति, विश्वास और एक अदृश्य शक्ति का एहसास। यही कारण है कि यह मंदिर आज क्षेत्र की धार्मिक पहचान बनकर लोगों के दिलों में गहराई से बस चुका है।

गेट पर हुआ प्रसव, सिस्टम फेल : चक्की पीएचसी में लापरवाही पर सिविल सर्जन सख्त

■ ड्यूटी रोस्टर की गड़बड़ी, स्टाफ नदारद और समन्वय की कमी से बनी शर्मनाक स्थिति, जिम्मेदारी तय करने में उलझा प्रशासन

केटी न्यूज/चक्की

चक्की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में अस्पताल के मुख्य गेट पर प्रसूता का प्रसव होने की घटना ने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। यह मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई के केंद्र में है, जहां सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद चक्रवर्ती ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूरे प्रकरण पर जवाब-तलब किया है। सिविल सर्जन ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंजनी कुमार को पत्र जारी कर पूछा है कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी और इसकी जिम्मेदारी किसकी है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संबंधित कर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है। घटना गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे की है। भोला डेरा निवासी गर्भवती महिला को सुबह प्रसव पीड़ा के बाद पीएचसी में भर्ती कराया गया था, लेकिन पूरे दिन न डॉक्टर उपलब्ध रहे और न ही नर्सिंग स्टाफ ने समुचित देखभाल की। हालत बिगड़ने पर परिजन महिला को निजी अस्पताल ले जाने लगे, तभी अस्पताल गेट पर ही प्रसव हो गया। मौके पर मौजूद महिलाओं और ममता दीदियों ने साड़ी से घेरकर सुरक्षित प्रसव कराया–जो सिस्टम की विफलता पर बड़ा सवाल है। मामले में एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। ड्यूटी पर तैनात एएनएम बिना प्रतिस्थानी के ड्यूटी छोड़कर चली गई, जिसे सिविल सर्जन ने ह्यअमानवीय और अनुशासनहीनह्ण करार दिया है। वहीं अस्पताल प्रशासन ने जिम्मेदारी तय करने के बजाय जीएनएम सारिका कुमारी से स्पष्टीकरण मांग लिया।

सारिका कुमारी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी ड्यूटी रोस्टर में बदलाव कर दिया गया था, जो स्वयं प्रभारी द्वारा किया गया था। ऐसे में जिम्मेदारी को लेकर भ्रम और गहराता जा रहा है। पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि पीएचसी में ड्यूटी प्रबंधन, स्टाफ उपलब्धता और आपसी समन्वय पूरी तरह चरमराया हुआ है। सिविल सर्जन ने कहा कि जांच जारी है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। यह घटना न केवल प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत भी उजागर करती है।

26 मार्च को पटना मेट्रो फेज-2 का उद्घाटन संभव, चार स्टेशनों के बीच शुरू होगा सफर

एजेंसी। पटना

लंबे समय से इंतजार कर रहे राजधानीवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। पटना मेट्रो के दूसरे फेज का उद्घाटन आगामी 26 मार्च को होने की संभावना जताई जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा का समापन भी इसी दिन पटना में प्रस्तावित है, ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि वे विकास योजनाओं के निरीक्षण के साथ-साथ मेट्रो के इस नए स्ट्रेच को भी जनता को समर्पित करेंगे। पटना मेट्रो का यह विस्तार शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने वाला माना जा रहा है। फिलहाल कंकड़बाग, मलाही पकड़ी और जीरोमाइल जैसे इलाकों में रोजाना भारी ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है। ऐसे में मेट्रो सेवा शुरू होने से लोगों को राहत मिलेगी। न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि प्रदूषण में भी उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। मेट्रो प्रशासन ने दूसरे फेज के उद्घाटन को लेकर अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। इस चरण के शुरू होते ही पाटलिपुत्र बस टर्मिनल (ISBT), जीरोमाइल, भूतनाथ और मलाही पकड़ी के बीच मेट्रो सेवा शुरू हो जाएगी। करीब 6.2 किलोमीटर लंबे इस रूट पर परिचालन शुरू होने से शहर के लाखों लोगों को सीधा फायदा मिलेगा। खास तौर पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (ISBT) से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए यह सेवा बेहद सुविधाजनक साबित होगी। अभी तक उन्हें ऑटो, रिक्शा या निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे समय और पैसे दोनों की बबार्दी होती है। मेट्रो शुरू होने के बाद यह सफर आसान, तेज और किफायती हो जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, भूतनाथ से मलाही पकड़ी के बीच करीब 2.75 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड ट्रैक पूरी तरह तैयार हो चुका है। इस हिस्से पर मेट्रो का ट्रायल रन पहले ही सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, जिससे परियोजना की तकनीकी मजबूती पर भरोसा बढ़ा है। हाल ही में उप मुख्य आयुक्त मेट्रो रेल सेफ्टी (CMRS) प्रदीप कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने ट्रैक, सिग्नल सिस्टम और स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों को परखा गया और कई जरूरी बिंदुओं की समीक्षा की गई।

सीएम नीतीश कुमार ने गांधी मैदान में बिहार दिवस समारोह का किया शुभारंभ, तीन दिनों तक सजेगी उत्सव की महफिल

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार शाम को पटना के गांधी मैदान में बिहार दिवस समारोह 2026 (22-24 मार्च) का शुभारंभ किया। अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग डॉ. बी. राजेंद्र ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बिहार दिवस समारोह-2026 के उद्घाटन से पूर्व पटना के गांधी मैदान में विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों से संबंधित लगाई गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं पर आधारित लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग के पवेलियन में लगायी गयी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु संवर्द्धन कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कला कक्ष, स्मार्ट क्लास, व्यावसायिक शिक्षा कक्ष, अटल टिंकरिंग लैब, आईसीटी कक्ष, ईको क्लब बाल संसद, खेल कक्ष, निपुण कक्ष, बाल वाटिका आदि का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली रहा है और हम वर्तमान में अपने निश्चय से बिहार का गौरवशाली भविष्य तैयार कर रहे हैं। समृद्ध बिहार के संकल्प को पूरा करने हेतु मैं आप सभी का आह्वान करता हूं। हम सब मिलकर बिहार के गौरव को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे। इस बार बिहार दिवस के अवसर पर उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार थीम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा महिला एवं बाल विकास निगम को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। गांधी मैदान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाली विभिन्न इकाइयों द्वारा उनकी योजनाओं, उपलब्धियों एवं सेवाओं के प्रदर्शन के लिए थीम-आधारित स्टॉल और पवेलियन लगाए गए हैं। इन स्टॉलों के जरिए आमजन को राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है इसके अलावा, विभाग के पवेलियन में इस बार राज्य की पारंपरिक कलाओं, जैसे लहठी एवं सुजनी का प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही, महिला उद्यमियों के उत्पादों के प्रदर्शन-सह-विपणन के लिए भी पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया गया है।

कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण से जुड़े प्रयासों को प्रदर्शित किया गया

बिहार सरकार के विभाग की इकाइयों में समाज कल्याण निदेशालय, आईसीडीएस निदेशालय, राज्य आयुक्त निशक्तता (दिव्यांगजन) कार्यालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय, बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग, सामाजिक सुरक्षा निदेशालय, स्टेट सोसाइटी फॉर अल्ट्रा पुअर एंड सोशल वेलफेयर (सक्षम) तथा राज्य बाल संरक्षण समिति आयोजन में शामिल हैं। महिला एवं बाल विकास निगम की ओर से राज्य की विकास यात्रा, विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण से जुड़े प्रयासों को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया गया।

24 मार्च तक मचेगी समारोह की धूम

24 मार्च तक चलने वाले इस समारोह में शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। वहीं विभिन्न विभागों की ओर से जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी। उद्घाटन समारोह के बाद कलाकारों ने बिहार गौरव गान की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। उद्घाटन से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों से संबंधित लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

बिहार दिवस पर विद्या कला उत्थान फाउंडेशन ने की नुक्कड़ कार्यक्रम

नुक्कड़ नाटक अभियान से लोगों को किया गया जागरूक

केटी न्यूज/रोहतास

विद्या कला उत्थान फाउंडेशन, आरा के बैनर तले रविवार को उदवंतनगर प्रखंड के ग्राम रामपुर मिल्की स्थित महादलित टोला में एक प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में जन-जागरूकता फैलाना और लोगों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मधुर गीत-संगीत से हुई, जिसने वहां उपस्थित लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसके पश्चात संस्था के कलाकारों द्वारा ह्यस्वच्छ रहें, सुरक्षित रहेंह्न शीर्षक से एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस नाटक के माध्यम से स्वच्छता के महत्व, साफ-सफाई की आदतों, और एचआईवी जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के उपायों को सरल और समझने योग्य तरीके से दर्शाया गया। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय,संवाद और भाव-भंगिमा के जरिए यह संदेश दिया कि व्यक्तिगत स्वच्छता और जागरूकता ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है। नाटक में दिखाया गया कि कैसे छोटी-छोटी लापरवाहियां बड़ी बीमारियों का कारण बन सकती हैं, और समय रहते जागरूक होकर इनसे बचा जा सकता है। इस प्रस्तुति को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। नाटक की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। जहां सभी ने कलाकारों की जमकर सराहना की। अवसर पर कलाकार नागेश्वर नयन, दुर्गा प्रसाद,दिव्या कुमारी, मुस्कान कुमारी, हरेंद्र कुमार, रघुवंश कुमार, रमाशंकर कुमार एवं अंकित सिंह ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर सोलर ऊर्जा से उपभोक्ता कर रहें बिजली राशि बचत

केटी न्यूज/रोहतास

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस संदर्भ में विद्युत कार्यपालक अभियंता, सासाराम ई.ब्रवीम ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत उपभोक्ता अपनी छतों पर सोलर पैनल स्थापित कर प्रतिमाह लगभग 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। केंद्र सरकार द्वारा इस योजना में आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे सोलर पैनल स्थापना की लागत कम होकर आम लोगों की पहुंच में आ रही है। उन्होंने आगे बताया कि नेट मीटरिंग की सुविधा के माध्यम से उपभोक्ता अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर अतिरिक्त लाभ भी अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ तथा स्वच्छ ऊर्जा को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। सौर ऊर्जा को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए उन्होंने इसके अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया। उन्होंने जानकारी दी कि एपीएल उपभोक्ताओं के लिए प्रति किलोवाट सोलर स्थापना की लागत लगभग 70000 आती है। जिस पर सरकार द्वारा 30000 प्रति किलोवाट तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है। जो 2 किलोवाट पर 60000 तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक पर 78000 तक की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सोलर ऊर्जा अपनाने से उपभोक्ताओं को बिजली बिल में कमी, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, कम रखरखाव एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। सोलर पैनल की आयु लगभग 25 वर्ष होती है तथा लगभग 5 वर्षों में इसकी लागत की भरपाई संभव है।

बिहार दिवस पर बक्सर में रन फॉर फिट मैराथन का भव्य आयोजन

- जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साह से लिया भाग

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार दिवस के अवसर पर रविवार को कला एवं संस्कृति विभाग तथा जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में ह्लरन फॉर फिट बक्सरह्न के तहत बक्सर मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और उत्साहपूर्वक दौड़ पूरी की। मैराथन की शुरूआत जिलाधिकारी साहिला द्वारा 11 नंबर लख बड़ी नहर से हरी झंडी दिखाकर की गई। यह दौड़ सोंधीला पुल तक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर प्रतिभागियों की भीड़ उमड़ पड़ी थी, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राएं, कॉलेज के युवा, स्थानीय खिलाड़ी, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि ह्लस्वस्थ समाज ही स्वस्थ बिहार की नींव है। इस तरह के आयोजनों से न केवल लोगों में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ती है, बल्कि सामुदायिक एकता भी मजबूत होती है। हम चाहते हैं कि हर नागरिक अपने दैनिक जीवन में व्यायाम और खेल को शामिल करे ह्न उन्होंने कहा कि बिहार दिवस को केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित न रखकर ऐसे जन-जागरूकता अभियानों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। मैराथन में प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। छोटे बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक सभी ने पूरे जोश के साथ दौड़ में हिस्सा लिया। रास्ते भर स्थानीय लोगों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और तालियों से उनका स्वागत किया। आयोजन के सफल संचालन में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ स्वयंसेवकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। दौड़ समाप्त होने के बाद विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया, जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिली। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के खेल एवं स्वास्थ्य आधारित कार्यक्रमों का आयोजन भविष्य में भी नियमित रूप से किया जाएगा, ताकि जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिले और लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग बनें। समग्र रूप से यह मैराथन न केवल बिहार दिवस के उत्सव को जीवंत बनाने में सफल रही, बल्कि जिले में फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति एक सकारात्मक संदेश भी देने में कारगर साबित हुई।

बिहार दिवस के 114वीं वर्षगांठ पर बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्रों में रंगारंग उत्सव कार्यक्रम

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार दिवस के 114वीं वर्षगांठ पर पूरे बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्रों में रंगारंग उत्सव कार्यक्रम का रहा जश्न। उक्त अवसर पर रविवार को एसडीएम प्रभात कुमार ने आपने आवास स्थित मुख्य सड़क पर विद्यालय छात्रों के प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखा बिहार दिवस का आगाज किया। जो प्रभात फेरी शहर के तेंदुनी चौक से होते हुए काली मंदिर समीप बिहार गीत के साथ समाप्त हुआ। उक्त अवसर पर एसडीएम प्रभात कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2026 की थीम उन्नत बिहार.. उज्वल बिहार..के साथ राज्य के विकास, शिक्षा और समृद्धि के प्रति सामूहिक संकल्प को मजबूत करना है। दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है, जो 1912 में बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग होकर एक स्वतंत्र राज्य के रूप में बिहार के गठन का प्रतीक है। दूसरी तरफ कार्यक्रम का संचालन कर रहें मध्य विद्यालय, घुसियां कलां प्रधानाध्यासक मो. शमशाद अली ने बताया कि बिहार दिवस का मुख्य उद्देश्य बिहार के नागरिकों में अपने राज्य के प्रति स्वाभिमान और गौरव की भावना को पुनः जागृत करना है। साथ ही पूरे विश्व में रहने वाले बिहारियों जोड़ते हुए राज्य की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। आयोजित प्रभात फेरी में प्रखंड शिक्षा बीईओ मनोज कुमार,बीईओ रितेश कुमार ने सभी विद्यालय के छात्रों द्वारा निकाली गई बिहार दिवस प्रभार फेरी पर विशेष महत्व से अवगत कराया। वर्षगांठ दिवस पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय वार्डन सुलक्षणा कुमारी, शिक्षक-अमृता कुमारी, ज्योति कुमारी, शीला कुमारी, शिक्षक जयप्रकाश, प्रधानाध्यापक राम आधार कौसर परवीन, सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल प्राचार्य संग्राम सिंह, उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक सीमा कुमारी,उच्च विद्यालय, तेंदुनी प्रभारी प्रधानाध्यापक कुमुद रंजन तिवारी, राजीव रंजन सिंह, टोला सेवक शैलेंद्र कुमार, अमित कुमार, तालिमी मरकज गुलाम अली, मो.जाकिर हुसैन अन्य शिक्षक शिक्षिका प्रभात फेरी में भाग लेते हुए इसका शुभारंभ एसडीएम आवास से करते हुए शहर के तेंदुनी चौक पर बिहार दिवस जागरूकता के साथ संपन्न किया।

एक नजर

तरारी थाना पुलिस वाहन में रील बनाने वाला युवक गिरफ्तार

आरा। तरारी थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर रील बनाकर फेमस होना एक युवक को महंगा पड़ गया। जब पुलिस गाड़ी पर बैठकर पुलिस की टोपी पहनकर रील बनाकर वायरल करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, इसके बाद वायरल वीडियो के मामले में तरारी थाने में थाना अध्यक्ष के बयान पर मामला दर्ज किया गया है गिरफ्तार युवक की पहचान थाना क्षेत्र के अकरौंज गांव निवासी रूपक सिंह उर्फ शशि कुमार के रूप में की गई है पुलिस के अनुसार आरोपित 2025 में घटित एक गंभीर मामले में नामजद रहा है जिसमें पुलिस पर पथराव के मामले में उसको आरोपित किया गया था इधर घटना के संदर्भ में जानकारी देते हुए तरारी का थाना अध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि बिना अनुमति के पुलिस वहां का उपयोग उसमें प्रवेश करना एवं पुलिस की भर्ती टोपी पहन कर रेल बनाना कानूनन अपराध है और रील बनाने के मामले में युवक पर कार्रवाई करते हुए उसको गिरफ्तार किया गया है बताया जा रहा है कि उक्त युवक को मेडिकल जांच के लिए तरारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था जहां की मौका देखकर उसने गाड़ी में बैठकर पुलिस की टोपी पहन कर रील बना लिया था इस मामले के सामने आने के बाद इलाके में चचाओं का बाजार गर्म है।

पुलिस अधीक्षक ने तीयर थाना का किया औचक निरीक्षण

आरा। पुलिस अधीक्षक,भोजपुर मिस्टर राज द्वारा तियर थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में थाना परिसर की स्वच्छता, कार्यालय व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण, अपराध नियंत्रण से संबंधित विभिन्न तख्तियों, दस्तावेजों एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों की गहनता से जांच की गई। साथ ही महिला पुलिसकर्मियों हेतु निर्मित सिपाही बैरक का भी निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत थाना में लंबित कांडों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी अनुसंधानकताओं को मामलों के शीघ्र, निष्पक्ष एवं प्रभावी अनुसंधान एवं निष्पादन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही विधि-व्यवस्था के संधारण एवं आम जनता को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही चैती छठ एवं रामनवमी पर्व के मद्देनजर आवश्यक तैयारियों हेतु भी निर्देशित किया गया।

जीवन कल्याण के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने लिया अवतार : भारतभूषण

आरा। जगदेव नगर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के आज पांचवे दिन प्रवचन करते हुए श्रीमत्सनातनशक्तिपीठाध्यक्ष आचार्य डॉ भारतभूषण जी महाराज ने कहा कि भगवान ने श्रीकृष्णावतार लेकर गोकुलवासियों की सभी संकटों से रक्षा की और उनके सर्वविध उत्कर्ष का मार्ग प्रशस्त किया।आचार्य ने कहा कि जहां तक प्राणियों का समुदाय है, संसार है, उसे गोकुल कहते हैं।भगवान श्रीकृष्ण ने प्राकट्य के छठे दिन ही बच्चों को मारनेवाली पूतना का उद्धार कर दिया।शकटासुर, तृणावर्त,वत्सासुर, बकासुर,अघासुर,धेनुकासुर, प्रलंबासुर आदि असुरों का उद्धार कर व्रजमंडल को निरापद किया।आचार्य ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने देवताओं के मोह का भी निरसन कर ब्रह्मा जी,यक्षराज कुबेर के पुत्रों,अग्निदेव और वरुण को अपने स्वरूप का दर्शन देकर कृतार्थ किया। जहां देवराज इंद्र ने सांवर्तक मेघों को भेजकर व्रजमंडल पर प्रलयंकर संकट उत्पन्न कर दिया था।

बिहार दिवस पर विभिन्न महाविद्यालय में मनाया गया 114वीं वर्षगांठ

आरा। रविवार को महाराजा बहादुर राम रण विजय प्रसाद सिंह महाविद्यालय में आज बिहार दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्या डा कनक लता कुमारी ने सभी को बिहार दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि 22 मार्च का यह पावन दिन हम सभी बिहारवासियों के लिए गौरव की बात है। सन 1912 में आज ही के दिन बिहार को एक स्वतंत्र पहचान मिली थी, किंतु बिहार का इतिहास हजारों वर्षों पुराना और अत्यंत गौरवशाली रहा है। उन्होंने कहा कि यह वही भूमि है जहाँ भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ तथा भगवान महावीर ने सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। नालंदा एवं विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने कभी पूरे विश्व को शिक्षा का पाठ पढ़ाया और भारत को ह्यविश्व गुरुह्न बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने वैशाली को लोकतंत्र की जननी बताते हुए कहा कि यहीं से विश्व को गणतंत्र का पहला पाठ मिला।अवसर पर डॉ. रविंद्र कुमार,डॉ. सूचि स्नेहा, डॉ. प्रज्ञा राय, डॉ.अमृतांशु कुमा, डॉ. विजेंदर कुमार, डॉ.अमित कुमार सहित प्राध्यापकों ने बिहार की गौरवशाली परंपरा व सांस्कृतिक पर अपने विचार को व्यक्त किया।

आवारा कुत्ते के हमले से कई लोग जख्मी, ईलाज जारी

रजौली। थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में एक ही दिन आवारा कुत्ते के काटने से आधा दर्जन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। जो सभी घायलों को इलाज के लिए रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक द्वारा उनका त्वरित उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में आवारा कुत्ते ने अलग-अलग जगहों पर लोगों को काटकर घायल कर दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सक डॉ. रोशन कुमार ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया और उन्हें एंटी-रेबीज वैक्सीन की इंजेक्शन दी। घायलों में हरदिया गांव के सुमित कुमार, सलेमपुर गांव के सचिन कुमार,मुरहेना गांव के कपिल यादव,माधोरामपुर के गौतम कुमार तथा रजौली ऊपर टांडा के चंदन कुमार शामिल हैं। डॉ. रोशन कुमार ने बताया कि कुत्ते के काटने की स्थिति में घाव को तुरंत साफ पानी और साबुन से धोना चाहिए तथा बिना देर किए अस्पताल पहुंचकर एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाना जरूरी है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आवारा कुत्तों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पटना के बाद अब गयाजी में बनेगा 16 किलोमीटर लंबा मरीन ड्राइव

एजेंसी। गयाजी

गया में फल्गु नदी किनारे 16 किमी लंबा मरीन ड्राइव बनेगा. इसके बनने के बाद शहर को ट्रैफिक जाम से राहत तो मिलेगी ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा. बिहार की राजधानी पटना के गंगा किनारे बने मरीन ड्राइव के बाद अब गया में भी ऐसा ही बड़ा प्रोजेक्ट शुरू होने जा रहा है। बिहार सरकार के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने घोषणा की है कि गया की फल्गु नदी के किनारे एक शानदार मरीन ड्राइव का निर्माण किया जाएगा। यह मरीन ड्राइव बोधगया से चाकंद तक बनाया जाएगा, जिसकी कुल लंबाई करीब 16 किलोमीटर होगी। वर्तमान में बोधगया और गया शहर के बीच ट्रैफिक की समस्या बड़ी चुनौती बनी रहती है, लेकिन इस नई सड़क के बनने से जाम की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को अब घंटों जाम में नहीं फंसना पड़ेगा, बल्कि वे फल्गु नदी के किनारे सुहावने वातावरण में आरामदायक यात्रा कर सकेंगे। मंत्री ने बताया कि यह विकास केवल शहर तक सीमित नहीं रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को भी बेहतर बनाने की योजना है। इमामगंज से पकरी (वाया कोठी सलैया) तक की एक लेन सड़क को दो लेन में अपग्रेड किया जाएगा और इसके लिए फंड भी स्वीकृत हो चुका है। दिलीप जायसवाल के अनुसार, यह प्रोजेक्ट गया के लिए बड़ा बदलाव साबित होगा। मरीन ड्राइव के बनने से न सिर्फ यातायात सुगम होगा, बल्कि फल्गु नदी के किनारे का क्षेत्र एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और शहर का स्वरूप भी आधुनिक और आकर्षक बनेगा। यह परियोजना गया के विकास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए शहर की कनेक्टिविटी और पहचान दोनों को मजबूत करेगी।

जाम से मिलेगी छुट्टी

यह मरीन ड्राइव बोधगया से लेकर चाकंद के बीच बनेगा. इसकी कुल लंबाई करीब 16 किलोमीटर होगी. अभी बोधगया और गया शहर के बीच जो ट्रैफिक का सिरदर्द बना रहता है, यह सड़क उसे पूरी तरह खत्म कर देगी. देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को अब घंटों जाम में नहीं फंसना पड़ेगा. वे फल्गु नदी के किनारे-किनारे सुकून भरा सफर कर सकेंगे।

गांवों की भी चमकेगी किस्मत

मंत्री ने साफ किया कि विकास की यह लहर सिर्फ गया शहर तक ही सीमित नहीं रहेगी. सरकार ने ग्रामीण इलाकों की सड़कों के लिए भी तिजोरी खोल दी है. इमामगंज से पकरी (वाया कोठी सलैया) तक जाने वाली एक लेन की सड़क को अब दो लेन में बदला जाएगा. इसके लिए फंड भी आवंटित कर दिया गया है, यानी काम जल्द शुरू होने वाला है।

बिहार के गौरव के 114 साल, प्रधानमंत्री मोदी और सीएम नीतीश ने दी स्थापना दिवस की बधाई

एजेंसी। पटना

बिहार इस साल 2026 को अपना 114 वां स्थापना दिवस मना रहा है. इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर बधाई दी है. उन्होंने लिखा कि बिहार दिवस के अवसर पर राज्य के अपने सभी परिवारजनों को अनेकानेक शुभकामनाएं. भारतीय विरासत को भव्यता और दिव्यता प्रदान करने वाला हमारा यह प्रदेश आज प्रगति के नित-नए अध्याय गढ़ने में जुटा है. मुझे विश्वास है कि विकसित बिहार के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यहां के कर्मठ एवं ऊर्जावान लोगों का समर्पण और सामर्थ्य बहुत काम आएगा. बिहार दिवस के मौके पर सीएम नीतीश कुमार ने भी मैसेज दिया है. माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने बिहार दिवस के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने कहा कि बिहारवासी आपसी एकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता एवं सद्भाव बनाए रखते हुए राज्य के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे. उन्होंने बिहार के संकल्प को साकार करने हेतु सभी बिहारवासियों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है. माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने संदेश में कहा कि बिहार का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है और वर्तमान में हम सबके निश्चय एवं प्रयासों से बिहार का उज्ज्वल भविष्य आकार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का खास मैसेज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी बिहार दिवस पर शुभकामनाएं दी. उन्होंने लिखा कि देश-विदेश में रहने वाले बिहार के सभी लोगों को बिहार दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं. विश्व के प्रथम गणराज्य की भूमि होने के साथ-साथ, गौरवशाली साम्राज्यों और महान सांस्कृतिक-आध्यात्मिक धाराओं को जन्म देने वाली इस धरती ने विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे कर, भारत-भूमि को सदैव समृद्ध किया है. मुझे विश्वास है कि राज्य के निवासी अपनी असीम प्रतिभा और परिश्रम से, बिहार और पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. मैं राज्य के और सभी निवासियों के, स्वर्णिम भविष्य की मंगलकामना करती हूं.बिहार दिवस मनाने की शुरूआत कब हुई थी? बिहार दिवस मनाने की शुरूआत साल 2010 में हुई थी. इसे बिहार सरकार ने आधिकारिक तौर पर शुरू किया था. इसका मुख्य उद्देश्य बिहार के इतिहास, संस्कृति और पहचान को सम्मान देना है, ताकि लोग अपने राज्य पर गर्व महसूस करें।

बिहार दिवस मनाने का मकसद

बिहार दिवस मनाने का मकसद सिर्फ एक तारीख को याद करना नहीं है, बल्कि अपने राज्य की पहचान और गौरव को दिखाना भी है. इस दिन बिहार के इतिहास को याद किया जाता है और लोगों को बताया जाता है कि उनका राज्य कितना समृद्ध और महत्वपूर्ण रहा है. साथ ही इस दिन बिहार की संस्कृति, परंपरा, लोक कला, संगीत, नृत्य और खान-पान को भी बढ़ावा दिया जाता है. इस मौके पर सरकार अपनी योजनाओं और राज्य की प्रगति को भी लोगों के सामने रखती है, ताकि यह बताया जा सके कि बिहार किस तरह आगे बढ़ रहा है।

एक नजर

डाक पार्सल वैन से 2 करोड़ का गांजा बरामद, दो तस्कर भी गिरफ्तार

गयाजी। गया जिले में सूखे नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मद्यनिषेध टीम एवं बहेरा थाना की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने बहेरा-डोभी मार्ग से एक कंटेनरनुमा डाक पार्सल पिकअप वाहन से 394 किलोग्राम गांजा बरामद करते हुए दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार 20 मार्च की रात को मद्यनिषेध टीम और बहेरा थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि झारखंड से बिहार में भारी मात्रा में गांजा की खेप लाई जा रही है। इस सूचना पर वरीय पुलिस अधीक्षक, गया के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेरघाटी-2 अजय प्रसाद के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर बहेरा-डोभी मार्ग पर वाहन जांच शुरू की गई। जांच के दौरान रात एक सफेद रंग का कंटेनरनुमा डाक पार्सल पिकअप वाहन, जिस पर ब्लू डार्ट डीएचएल लिखा था, को रोका गया। वाहन में सवार दो व्यक्तियों ने प्रारंभ में कूरियर का सामान होने की बात कही, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने वाहन में गांजा छिपाकर ले जाने की बात स्वीकार कर ली। यह जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेरघाटी 2 अजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया की जांच के दौरान प्लास्टिक के बंडलों में छिपाकर रखे गए 108 पैकेट गांजा बरामद हुए, जिनका कुल वजन 394 किलोग्राम पाया गया। पूछताछ में गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि गांजा की खेप झारखंड के चतरा से जहानाबाद ले जाई जा रही थी। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान वैशाली जिला निवासी गणेश कुमार और मोनू कुमार के रूप में हुई है।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी का बड़ा एक्शन, फर्जी आधार कार्ड के साथ बांग्लादेशी नागरिक को दबोचा

पटना। भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शमीम हवलदार (34 वर्ष) के रूप में हुई है।क्राइम रिपोर्टिंग सेवा एसएसबी ने यह कार्रवाई 41वीं वाहिनी, रानीडांगा के जवानों ने पानीटंकी स्थित एकीकृत जांच चौकी पर की। नियमित जांच के दौरान बार्डर इंटरेक्शन टीम ने नेपाल की ओर से आ रही एक टैक्सी को रोका। जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति ने अपना नाम शमीम खान बताते हुए आधार कार्ड प्रस्तुत किया, लेकिन उसके व्यवहार और बयान में विसंगति नजर आने पर सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना असली नाम शमीम हवलदार बताते हुए बांग्लादेश का नागरिक होना स्वीकार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से बांग्लादेश का मूल पहचान पत्र और पासपोर्ट बरामद हुआ, जिससे स्पष्ट हो गया कि उसके पास मौजूद आधार कार्ड पूरी तरह फर्जी था। जांच में सामने आया कि आरोपी को बांग्लादेश में जमाल नामक दलाल ने नेपाल में 60 हजार रुपये मासिक वेतन वाली नौकरी का झांसा दिया था। इसके बदले उससे एक लाख रुपये वसूले गए और भारत में प्रवेश के लिए फर्जी आधार कार्ड उपलब्ध कराया गया। आरोपी करीब सात दिन पहले अवैध रूप से बोगईगांव (भारत) से मैनापुर (बांग्लादेश) सीमा पार कर फारबिसगंज के रास्ते नेपाल पहुंचा था।

नहाय-खाय के साथ आज से चैती छठ की शुरूआत रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग होंगे पटना के 49 घाट

एजेंसी। पटना

चैती छठ पर्व की शुरूआत आज नहाय-खाय के साथ हो गई है। इस अवसर पर पटना में गंगा नदी और विभिन्न तालाबों को मिलाकर कुल 49 घाटों को व्रतियों के लिए सजाकर तैयार किया गया है। शाम तक ये घाट रंगीन रोशनी से जगमगाने लगेंगे, जिसकी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। पाटलिपुत्र अंचल में बड़े स्तर पर छह प्रमुख घाट तैयार किए गए हैं। यहां जेपी गंगा पथ और अंडरपास के माध्यम से पहुंचने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, हालिया बारिश के कारण कई स्थानों पर कीचड़ और दलदल जैसी स्थिति बन गई है, जिससे आवागमन में कुछ दिक्कतें सामने आई हैं। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि सभी अधूरे कार्य आज ही पूरे कर लिए जाएंगे। घाटों पर व्रतियों की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग, वॉच टावर, चेक पोस्ट, पार्किंग, शौचालय, पेयजल और चेंजिंग रूम जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। नगर निगम ने सुरक्षा और सुव्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं। शनिवार की बारिश के कारण कई घाटों तक जाने

वाले रास्तों पर फिसलन और कीचड़ की समस्या उत्पन्न हो गई है, खासकर गंगा किनारे के रेतीले मार्गों पर चलना मुश्किल हो गया है। इस स्थिति को देखते हुए फिसलन वाले स्थानों पर बालू की बोरियां डाली जा रही हैं, ताकि व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जेपी सेतु के नीचे घाट संख्या 83, 88 और 93 को विशेष रूप से भव्य रूप से तैयार किया गया है। यहां गंगा की धारा कुछ दूर होने के कारण दलदल कम है और पथरीली बालू होने से व्रती 30 से 40 फुट तक आगे जाकर आसानी से अर्घ्य दे सकेंगे। इन घाटों तक पहुंचने के लिए अंडरपास और जेपी सेतु के रास्ते सुविधाजनक बनाए गए हैं, साथ ही पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इन घाटों की जानकारी नगर निगम के चैट-बॉट के माध्यम से भी प्राप्त की जा सकती है। वहीं, छठ पर्व को देखते हुए 22 मार्च से 25 मार्च तक गंगा नदी में नावों के परिचालन पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में पटना सदर एसडीओ कृतिका मिश्रा द्वारा आदेश जारी किया गया है।

पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस के पहिये से उठा धुआं, रेल यात्रियों में मची अफरातफरी

पटना। पटना से रांची जा रही जनशताब्दी एक्सप्रेस के एक कोच के पहिये से धुआं उठने से गया-कोडरमा रेलखंड पर रविवार सुबह हड़कंप मच गया। यह घटना गया जंक्शन से ट्रेन के निकलने के कुछ ही देर बाद बंधुआ रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। रेल सूत्रों के अनुसार, तीसरे डिब्बे के ब्रेक में जाम होने के कारण पहिये में अत्यधिक घर्षण उत्पन्न हुआ, जिससे तेज धुआं निकलने लगा। पास के मानपुर-रसलपुर गेट से तुरंत चालक और गार्ड को इसकी सूचना दी गई। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए चालक ने ट्रेन को तुरंत रोक दिया। ट्रेन रुकते ही यात्रियों में दहशत फैल गई। कई यात्री एहतियातन अपने-अपने डिब्बों से उतरकर पटरी किनारे खड़े हो गए। मौके पर पहुंचे रेलकर्मी और अग्निशामक यंत्र की मदद से धुएं और गर्मी पर काबू पा लिया गया। समय रहते कार्रवाई होने से किसी बड़ा हादसा टल गया। इस घटना के कारण बंधुआ रेलवे क्रॉसिंग करीब 30 मिनट तक बंद रही, जिससे सड़क यातायात प्रभावित हुआ और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। स्थिति सामान्य होने के बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पटना में पहली बार भव्य भूमिहार परिवार मिलन समारोह आयोजित, शिक्षा व सामाजिक एकजुटता पर जोर

एजेंसी। पटना

भूमिहार परिवार फाउंडेशन द्वारा ह्यभूमिहार बैठकी, गांधी मैदानह्ल के सफल एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 52वें रविवार को राजधानी पटना में पहली बार भव्य ह्यभूमिहार परिवार मिलन समारोहह्ल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में एकजुटता, आपसी सहयोग और सौहार्द को मजबूत करना रहा।समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया, जिसमें बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद की विशेष उपस्थिति रही। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समाज के लोगों को उच्च शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाएं और समाज के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में वे स्वयं भी सहयोग देने के लिए सदैव तैयार हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

संगठन के संस्थापक अंकित चन्द्रायण ने कहा कि पटना शहर के सभी मोहल्लों में सदस्यता अभियान चलाकर भूमिहार समाज के हर परिवार को एक मंच से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समाज के लोगों को इलाज के दौरान पटना में रहने की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में भी पहल की जा रही है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को कठिन समय में सहयोग मिल सके।उन्होंने आगे कहा कि समाज के व्यवसायियों को एक-दूसरे से जोड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे नए लोगों को आगे बढ़ने का अवसर मिले। इसके साथ ही पटना में जल्द ही एक लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी, जहां 100 से अधिक बच्चों को निःशुल्क शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अंकित चन्द्रायण ने कहा कि केंद्र सरकार की स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इन पहलों का लाभ उठाकर समाज के युवा रोजगार मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बन सकते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रशिक्षण, उद्यमिता और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज के सामूहिक प्रयासों से भूमिहार समाज सामाजिक एकजुटता, सौहार्द और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा तथा राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम को टिकारी युवराज हर्ष राज, प्रीति प्रिया, एस के पाण्डेय, डॉक्टर संजीव, कर्नल कुणाल, डॉ मारुत नन्दन इत्यादि ने संबोधित किया। इस अवसर पर अजय जी, पुरशोत्तम जी, दीपक जी, सुजीत जी, युगल जी, नीरज जी, रामजन्म जी, सुमन्त जी, किशोर, अभिजीत जी सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पटना में रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन ने कसी कमर : महावीर मंदिर इलाके में हाई अलर्ट

एजेंसी। पटना

पटना में रामनवमी की तैयारियाँ जोरों पर हैं. महावीर मंदिर में भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और सुविधाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं. रामनवमी को लेकर महावीर मंदिर परिसर में हाई अलर्ट जारी किया गया है. रामनवमी को लेकर महावीर मंदिर में इस साल लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। पटना के जिलाधिकारी (उट) एस.एम. त्यागराजन और एसएसपी कार्तिकेय शर्मा की उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हो चुकी है, जिसमें भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के हर पहलू पर बारीकी से चर्चा की गई। प्रशासन का लक्ष्य है कि इस बार भक्तों को न केवल सुगम दर्शन मिलें, बल्कि उन्हें गर्मी और भीड़ से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम भी हों। पटना डीएम ने बैठक के बाद स्पष्ट किया कि महावीर मंदिर में रामनवमी के दिन पैर रखने की जगह नहीं होती, इसलिए भीड़ व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मंदिर परिसर और उसके आसपास पेयजल, अस्थाई शौचालय और छांव की विशेष व्यवस्था की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हर मापदंड पर तैयारियां चल रही हैं ताकि लोग भीषण गर्मी में भी कतारों में सुरक्षित खड़े रह सकें। मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए जगह-जगह एम्बुलेंस तैनात रहेंगी और डॉक्टरों की टीम मुस्तैद रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने बताया कि सुचारू रूप से दर्शन कराने के लिए पूरे इलाके में मजबूत बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। भारी संख्या में पुलिस बल की नियुक्ति की जाएगी ताकि कहीं भी भगदड़ जैसी स्थिति न बने। ट्रैफिक को इस तरह से डायवर्ट किया गया है कि आम लोगों को परेशानी न हो और मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भी पार्किंग की उचित जगह मिल सके। सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी भीड़ के बीच मौजूद रहेंगे। प्रशासन इस बार सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए पल-पल की निगरानी करेगा। मंदिर के भीतर और बाहर बड़ी स्क्रीनें लगाई जा सकती हैं ताकि कतार में पीछे खड़े लोग भी आरती और दर्शन का लाइव लाभ उठा सकें। पार्किंग के लिए विशेष स्थलों को चिह्नित किया गया है और ट्रैफिक प्लान को सार्वजनिक किया जा रहा है ताकि अंतिम समय में अफरा-तफरी न मचे। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मजिस्ट्रेटों की तैनाती भी की जा रही है।

बिहार में बदला मौसम का मिजाज, 24 जिलों में येलो अलर्ट, भारी बारिश और तेज हवाओं की संभावना

एजेंसी। पटना

बिहार में मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ गया है। मौसम विभाग ने राज्य के 24 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। फिलहाल राजधानी पटना में लगातार बारिश हो रही है, जिससे शहर में जलजमाव और ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है। वहीं, सीमांचल और मिथिलांचल के जिलों में भारी मेघगर्जन, तेज हवाओं और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले 24-48 घंटों में राज्य में मौसम अस्थिर रहेगा। उत्तर बिहार के जिलों जैसे दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, अररिया और पूर्णिया में हालात गंभीर बने हुए हैं। तेज हवाओं की गति 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे पेड़ गिरने और बिजली गिरने जैसी घटनाओं का खतरा है। पटना में हुई तेज बारिश के कारण कई सड़कों पर जलभराव हुआ है। प्रशासन ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे बारिश और वज्रपात के समय खुले में न निकलें। इसके अलावा, बिजली उपकरणों से दूरी बनाए रखें और मोबाइल और आपातकालीन नंबर तैयार रखें। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बिहार में फिलहाल मौसम चक्रवात और मानसूनी हवाओं के मिलेजुले असर के कारण अस्थिर है। इसके चलते नदी किनारे और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट कर दिया है और जरूरत पड़ने पर राहत कार्यों के लिए तैयार रहने को कहा है।